पाठ 10

1. दुनिया में सबसे महत्वपूर्ण संदेश किसका संदेश है?

-परमेश्वर का संदेश।

2. परमेश्वर का संदेश दुनिया में सबसे महत्वपूर्ण संदेश क्यों है?

-क्योंकि सभी लोगों ने झूठ बोला है।

-क्योंकि अकेले परमेश्वर ने कभी झूठ नहीं बोला।

-क्योंकि अकेले परमेश्वर ने हमेशा सच कहा है।

3. शुरुआत से पहले, एकमात्र जीवित कौन था?

-परमेश्वर।

4. परमेश्वर की शुरुआत कब हुई?

-परमेश्वर की कभी शुरुआत नहीं हुई थी।

5. क्या किसी ने परमेश्वर को बनाया?

-नहीं।

-परमेश्वर बस शाश्वत है।

6. क्या परमेश्वर ने परमेश्वर को बनाया?

-नहीं।

-परमेश्वर बस शाश्वत है।

7. क्या किसी ने परमेश्वर को जन्म दिया?

-नहीं।

-परमेश्वर बस शाश्वत है।

8. क्या परमेश्वर ने परमेश्वर को जन्म दिया?

-नहीं।

-परमेश्वर बस शाश्वत है।

9. क्या कभी ऐसा समय था जब परमेश्वर नहीं रहते थे?

-नहीं।

-परमेश्वर बस शाश्वत है।

10. क्या परमेश्वर बदलता है?

-नहीं।

-परमेश्वर कभी नहीं बदलते।

11. क्या परमेश्वर मर सकता है?

-नहीं।

-परमेश्वर मर नहीं सकते।

12. क्या परमेश्वर के पास मनुष्यों के समान मांस और हड्डियाँ हैं?

-नहीं।

-परमेश्वर आत्मा है।

13. लोगों को भोजन और पानी की जरूरत है, लेकिन परमेश्वर को क्या चाहिए?

-परमेश्वर को किसी चीज की जरूरत नहीं है।

14. फिर परमेश्वर कैसे रहते हैं?

-परमेश्वर अपनी शक्ति से जीते हैं।

15. परमेश्वर कहाँ है?

-परमेश्वर हर समय हर जगह है।

16. कितने परमेश्वर हैं?

-परमेश्वर केवल एक है।

17. वे तीन व्यक्ति कौन हैं जो यह एक परमेश्वर हैं?

- परमेश्वर पिता , परमेश्वर पुत्र और परमेश्वर पवित्र आत्मा।

18. आकाश और पृथ्वी को किसने बनाया?

-परमेश्वर ने।

19. परमेश्वर ने आकाश और पृथ्वी को बनाने के लिए किसका उपयोग किया?

-परमेश्वर ने कुछ भी इस्तेमाल नहीं किया।

-परमेश्वर ने आकाश और पृथ्वी को शून्य से बनाया है।

20. परमेश्वर ने सब कुछ कैसे बनाया?

-बस बोलकर।

21. परमेश्वर आकाश और पृथ्वी को बनाने में कैसे सक्षम था?

-परमेश्वर सर्व शक्तिशाली हैं।

-परमेश्वर की शक्ति का कोई अंत नहीं है।

-ऐसा कुछ भी नहीं है जो परमेश्वर नहीं कर सकता।

22. परमेश्वर ने आकाश और पृथ्वी को बनाना कैसे जाना?

-परमेश्वर सब कुछ जानता है।

-परमेश्वर की बुद्धि का कोई अंत नहीं है।

-ऐसा कुछ भी नहीं है जो परमेश्वर नहीं जानता।

23. परमेश्वर ने जो कुछ भी बनाया उसके बारे में क्या कहा?

-परमेश्वर ने कहा कि सब कुछ अच्छा था।

24. परमेश्वर सब कुछ पूर्ण बनाने में सक्षम क्यों था?

-क्योंकि परमेश्वर पूर्ण है।

25. परमेश्वर ने किसके लिए सब कुछ बनाया?

-लोगों के लिए।

26. परमेश्वर ने लोगों के लिए सब कुछ क्यों बनाया?

-क्योंकि वह हमसे बहुत प्यार करता है।

27. परमेश्वर हर चीज का असली मालिक क्यों है?

-क्योंकि परमेश्वर ने सब कुछ बनाया है।

28. परमेश्वर को हमसे आज्ञाकारिता मांगने का अधिकार क्यों है?

-क्योंकि उसने हमें बनाया और हमें जीवन दिया।

29. सभी स्वर्गदूत कहाँ से आए?

-परमेश्वर ने उन्हें बनाया।

30. क्या परमेश्वर ने स्वर्गदूतों को बनाया और उन्हें मांस और हड्डियाँ दीं?

-नहीं।

-परमेश्वर ने स्वर्गदूतों को आत्माओं के रूप में बनाया।

31. क्या परमेश्वर ने कुछ बुरे स्वर्गदूत और कुछ अच्छे स्वर्गदूत बनाए?

-नहीं।

-परमेश्वर ने सभी स्वर्गदूतों को अच्छा बनाया।

32. क्या परमेश्वर ने स्वर्गदूतों को इसलिए बनाया क्योंकि उसे मदद की ज़रूरत थी?

-नहीं।

-परमेश्वर को मदद की जरूरत नहीं है।

33. फिर परमेश्वर ने स्वर्गदूतों को क्यों बनाया?

-क्योंकि वह उनसे प्यार करता था।

34. प्रारंभ में, सभी स्वर्गदूत कहाँ रहते थे?

- स्वर्ग में परमेश्वर के साथ।

35. क्या देवदूत एक ही समय में हर जगह हो सकते हैं?

-नहीं।

-केवल परमेश्वर एक ही समय में हर जगह हो सकते हैं।

36. उस देवदूत का क्या नाम था जिसे परमेश्वर ने बहुत बुद्धि और बहुत सुन्दरता से रचा था?

-लूसिफ़ेर।

37. शुरू में एक दिन लूसिफर ने क्या किया?

-लूसिफर ने उसकी बुद्धि और सुंदरता को देखा और गर्वित हो गया।

38. लूसिफर ने क्या करने की योजना बनाई?

-लूसिफर ने परमेश्वर को गद्दी से हटाने की योजना बनाई।

39. क्या परमेश्वर ने लूसिफ़ेर को उसे गद्दी से हटाने की अनुमति दी थी?

-नहीं।

40. लूसिफर से बहुत क्रोधित होने पर परमेश्वर ने क्या किया?

-परमेश्वर ने लूसिफ़ेर को स्वर्ग से बाहर फेंक दिया।

41. लूसिफर का अनुसरण करने वाले स्वर्गदूतों से बहुत क्रोधित होने पर परमेश्वर ने क्या किया?

-परमेश्वर ने भी उन्हें स्वर्ग से बाहर फेंक दिया।

42. लूसिफ़ेर का नया नाम क्या है?

-शैतान।

43. "शैतान" नाम का क्या अर्थ है?

-इसका अर्थ है "दुश्मन।"

44. शैतान का अनुसरण करने वाले स्वर्गदूतों का नया नाम क्या है?

-दानव।

45. परमेश्वर ने शैतान और उसके दुष्टात्माओं के लिए दण्ड का कौन-सा स्थान तैयार किया?

- अनन्त अग्नि की झील।

46. शैतान और उसके पिशाच किसके विरुद्ध हैं?

-वे परमेश्वर और परमेश्वर के सभी कार्यों के विरुद्ध हैं।

47. परमेश्वर ने पृथ्वी को तैयार करने के बाद, परमेश्वर ने किसे बनाया?

-आदम, पहला आदमी।

48. परमेश्वर ने लोगों और जानवरों को अलग-अलग कैसे बनाया?

-परमेश्वर ने लोगों को परमेश्वर की छवि में बनाया।

49. इसका क्या अर्थ है कि परमेश्वर ने लोगों को अपने स्वरूप में बनाया?

-परमेश्वर ने लोगों को परमेश्वर को जानने का दिमाग दिया।

-परमेश्वर ने लोगों को परमेश्वर से प्यार करने के लिए भावनाएं दीं।

-परमेश्वर ने लोगों को परमेश्वर का पालन करने के लिए चुनने की इच्छा दी।

50. परमेश्वर ने लोगों को अच्छा बनाया या बुरा?

-परमेश्वर ने लोगों को केवल अच्छा बनाया है।

51. परमेश्वर ने आदम को बनाया, और उसे किसका नियंत्रण दिया?

-परमेश्वर ने आदम को पूरी पृथ्वी और उसमें मौजूद हर चीज का नियंत्रण दिया।

52. आदम को बनाने के बाद परमेश्वर ने आदम को कहाँ रखा?

-अदन का बाग।

53. अदन के बाग के बीच में परमेश्वर द्वारा लगाए गए पहले पेड़ का नाम क्या था?

-ज़िन्दगी का पेड़।

54. परमेश्वर ने जीवन का वृक्ष अदन की वाटिका के बीच में क्यों लगाया?

-परमेश्वर चाहते थे कि आदम पेड़ से खाए और हमेशा जीवित रहे।

55. उस पेड़ का क्या नाम था जिसके फल परमेश्वर ने आदम को न खाने की आज्ञा दी थी?

- अच्छाई और बुराई के ज्ञान का वृक्ष।

56. यदि आदम ने भले और बुरे के ज्ञान के वृक्ष का फल खा लिया, तो उसका क्या होगा?

-आदम मर जाएगा।

57. मृत्यु क्या है?

-परमेश्वर से अलगाव, जीवन देने वाला।

-शरीर और आत्मा का पृथक्करण।

-अनन्त अग्नि की झील में पृथक्करण।

58. आदम की मदद के लिए परमेश्वर ने किसे बनाया?

-पहली महिला, हव्वा।

59. परमेश्वर ने हव्वा को क्यों बनाया?

-क्योंकि परमेश्वर आदम से प्रेम करता था।

-क्योंकि परमेश्वर नहीं चाहता था कि आदम अकेला रहे।

-क्योंकि परमेश्वर चाहता था कि आदम और हव्वा के बच्चे हों।

60. शुरुआत में, आदम और हव्वा परमेश्वर के साथ-साथ चले, और वे कैसे थे?

-शुरुआत में आदम और हव्वा परमेश्वर के साथ-साथ चले और वे बहुत खुश हुए।